भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3071
गुरुवार, 7 अगस्त, 2025/16 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत विमानपत्तन

3071. श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:
श्री ज्ञानेश्वर पाटील:
डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:
श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान के अंतर्गत महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में घरेलू यात्रा हेतु चयनित/प्रस्तावित विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;
(ख) 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, उक्त राज्यों में उक्त योजना के अंतर्गत पूर्ण हो चुके और प्रचालनरत तथा विकसित किए जाने वाले विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त योजना के अंतर्गत उक्त राज्यों में और अधिक विमानपत्तनों को जोड़ने की मांग है;
(घ) यदि हाँ, तो पहले से जुड़े हुए और जोड़े जाने के लिए प्रस्तावित गंतव्यों का ब्यौरा क्या है, और
(ङ) उक्त राज्यों में उक्त योजना के अंतर्गत हवाई पट्टियों के संबंध में किए गए सर्वेक्षण की स्थिति क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ङ): महाराष्ट्र राज्य में, आरसीएस-'उड़ान' योजना के तहत विकास और प्रचालन हेतु नौ हवाईअड्डों की पहचान की गई है, जिनमें से सात हवाईअड्डों नामतः कोल्हापुर, जलगाँव, नांदेड़, नासिक, गोंदिया, सिंधुदुर्ग और अमरावती को विकसित और प्रचालनरत किया जा चुका है। शोलापुर हवाईअड्डे को वाणिज्यिक रूप से प्रचालनरत किया जा चुका है और महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा रत्नागिरी हवाईअड्डे का विकास किया जा रहा है। मध्य प्रदेश राज्य में ग्वालियर, रीवा और दतिया हवाईअड्डों को प्रचालनरत किया जा चुका है। आरसीएस-'उड़ान' योजना के तहत विकास के लिए शिवपुरी और उज्जैन की पहचान की गई है।

कर्नाटक राज्य में, 'उड़ान' योजना के तहत सात हवाईअड्डों नामतः बीदर, मैसूर, विद्यानगर, हुबली, कलबुरगि, बेलगाम और शिवमोग्गा को प्रचालनरत किया जा चुका है।

आरसीएस-'उड़ान' एक बाज़ार-संचालित योजना है जिसके अंतर्गत एयरलाइनों द्वारा बोली लगाए जाने हेतु असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का प्रस्ताव किया जाता है। कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के चरण आयोजित किए जाते हैं। एयरलाइनें विशिष्ट मार्गों के लिए माँग के आंकलन के आधार पर बोलियाँ प्रस्तुत करती हैं और अवार्ड किए गए मार्गों में

शामिल जिन हवाईअड्डों को उन्नयन की आवश्यकता होती है, उन हवाईअड्डों को 'उड़ान' परिचालनों हेतु सक्षम बनाने के लिए 'असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार' योजना के तहत विकसित किया जाता है।

*****